

**EPCH**हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने किया ऐतिहासिक भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत

निर्यातकों को समृद्ध करने, कारीगरों को सशक्त बनाने और नए अवसरों का विस्तार करने लिए यह समझौता

नई दिल्ली/एनसीआर – 27 जनवरी 2026 – हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) ने नई दिल्ली में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (भारत-ईयू एफटीए) पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया, यह समझौता दुनिया के सबसे बड़े और गुणवत्ता के प्रति सबसे अधिक जागरूक उपभोक्ताओं के बाजारों में से एक ईयू के साथ भारत की व्यापार व्यवस्था को मजबूत बनाता है। यह समझौता यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के बाजारों में भारतीय निर्यात की पहुंच को बढ़ाएगा, टैरिफ में कमी के लिए स्पष्ट रास्ता देगा और व्यापार के लिए ज्यादा सुविधाजनक माहौल तैयार करेगा। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत के हाथ से बने सामान के एक्सपोर्ट के लिए नए ईयू मार्केट में मौके खोलेगी, जिसमें आर्ट मेटलवेयर और वुडक्राफ्ट से लेकर टेक्सटाइल-बेस्ड हैंडीक्राफ्ट, फैशन ज्वेलरी, लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ और जीआई प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा, “हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारतीय नेतृत्व की भूमिका और निर्यात प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। भारत-ईयू एफटीए पर हस्ताक्षर भारत के निर्यात इकोसिस्टम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए बड़ा अवसर है। एक बार एफटीए लागू होने के बाद, और ज्यादा सुविधाजनक व्यवस्था के साथ, भारतीय हस्तनिर्मित उत्पाद अब ईयू के बाजारों में अपनी मौजूदगी को और मजबूत कर सकेंगे।”

डॉ. खन्ना ने बताया, “हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान यूरोपीय खरीदार हस्तशिल्पों में प्रामाणिकता, दीर्घकालिक, गूढ़ डिजाइन और मजबूत भावनात्मक प्रस्तुति की तलाश कर रहे हैं, जो भारत में हस्तनिर्मित हस्तशिल्प स्वाभाविक रूप से देते हैं। फ्रांस के पेरिस में ‘मैसों ऐंड ऑब्जे, पेरिस’ जैसे इंटरनेशनल डिजाइन प्लेटफॉर्म पर हमारी हाल की भागीदारी ने भारतीय हस्तनिर्मित होम, लाइफस्टाइल और डेकोर प्रोडक्ट्स के लिए विजिटर्स और खरीदारों के बीच उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं देखी गईं। हमारा मानना है कि बेहतर ट्रेड फ्रेमवर्क के साथ यह दिलचस्पी बेहतर पार्टनरशिप, अधिक वैल्यू वाले ऑर्डर और जादुई हाथों के जादू की मजबूत ग्लोबल पोजीशनिंग में बदल सकती है।”

डॉ. खन्ना ने यह भी कहा कि, “यूरोपीय संघ भारतीय हस्तशिल्पों के निर्यात का एक प्रमुख बाजार है, जहां वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान यूरोपीय संघ को निर्यात 864.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर (7309.72 करोड़ रुपये) हुआ, जो भारत के कुल हस्तशिल्प निर्यात में 20% से ज्यादा का योगदान देता है। अब भारत-ईयू एफटीए लागू होने के साथ ही हमें उम्मीद है कि अगले पाँच सालों में लगभग 10% सीएजीआर हासिल हासिल होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे टैरिफ से जुड़े फायदे और बेहतर बाजार सुविधा असर दिखाएंगी, वैसे-वैसे निर्यात की मात्रा बढ़ेगी और खरीदारों के साथ जुड़ाव भी और मजबूत होगा।”

इसी तरह की भावनाओं को व्यक्त करते हुए ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, “भारत-ईयू एफटीए ऐसे अहम समय में आया है जब भारतीय निर्यातक जानबूझकर मार्केट में विविधता लाकर और दूसरी अधिक वैल्यू वाली जगहों के साथ गहन जुड़ाव के जरिए मजबूती बना रहे हैं। इस समझौते पर हस्ताक्षर होने से टैरिफ को तर्कसंगत बनाकर और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करके यूरोप में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने का एक व्यवस्थित और अनुमानित रास्ता मिलेगा, साथ ही

यह समझौता टैरिफ के अलावा अन्य बाधाओं को भी व्यवस्थित तरीके से खत्म करता है, जिसमें अक्सर एमएसएमई को अनुपालन के समय, डॉक्यूमेंटेशन, टेस्टिंग और अप्रूवल के मामले में सबसे अधिक लागत और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।”

डॉ. कुमार ने यह भी कहा, “हम ईयू में वेयरहाउसिंग, फुलफिलमेंट और शोरूम जैसी ट्रेड फैसिलिटेशन सुविधाओं को और बेहतर बनाएंगे ताकि उपयुक्त समय पर डिलीवरी और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स को आसान बनाया जा सके। साथ ही, हम कैश एंड कैरी प्लेटफॉर्म के जरिए सीधे मार्केट एक्सेस देकर निर्यात का समर्थन करेंगे, और भारत के हस्तनिर्मित उत्पादों को यूरोपीय खरीदारों तक तेजी से और अधिक कुशलता के साथ पहुंचाने के लिए पारंपरिक कारीगरी के साथ टेक्नोलॉजी को भी जोड़ेंगे।”

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने कहा कि “हमारे लिए, ईयू एक हाई वैल्यू मार्केट है जहां खरीदार लगातार क्वालिटी, विश्वसनीय डिलीवरी और अनुपालन की तैयारी को देखते हैं। भारत-ईयू एफटीए एक बहुत बड़ा अवसर है और हमें इसे पैकेजिंग, प्रॉडक्ट के प्रेजेंटेशन, भरोसेमंद डिलीवरी और तेज रिस्पॉन्स की बेहतर तैयारियों में बदलना चाहिए। अब जबकि बाजार तक पहुंच बेहतर होगी, हम ईयू के खुदरा खरीदारों, सोर्सिंग एजेंटों, ई-कॉमर्स और संस्थागत खरीदारों की बड़ी संख्या में भागीदारी की उम्मीद करते हैं, जिससे भारतीय शिल्प उद्यमों के लिए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने के अधिक अवसर पैदा होंगे।”

श्री मेहता ने इसके बाद कहा, “हम यूरोप के सबसे बड़े ट्रेड फेयर एम्बिएंटे, फ्रैंकफर्ट में भी भाग लेने का इंतजार कर रहे हैं, जहां विभिन्न उत्पाद कैटेगरी में 500 से अधिक भारतीय निर्यातक हिस्सा ले रहे हैं, वहां 50 से अधिक हस्तशिल्प निर्यातक भारत की अतुलनीय हस्तशिल्पों का प्रदर्शन करते नजर आएंगे। हमें उम्मीद है कि इस समझौते पर हस्ताक्षर से भारतीय निर्यातकों और यूरोपीय खरीदारों के बीच और अधिक भरोसा बढ़ेगा और यह ऐतिहासिक एफटीए को मजबूती देगा।”

एफटीए की अहमियत को बताते हुए **ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत** ने कहा, “ऐसे समय में जब टैरिफ से संबंधित अनिश्चितताएं हमारे व्यापार के फ्लो को प्रभावित कर रहा है, यह समझौता भारतीय हस्तशिल्प निर्यात के लिए यूरोप में अपने बाजार को विविध बनाने और अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर खोलता है। हम इस महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए भारत सरकार के सतत प्रयासों की हार्दिक सराहना करते हैं।”

श्री रावत ने इसके बाद कहा, “अब ईपीसीएच हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करके और डिजाइन एवं उत्पाद के विकास के साथ ही मानकों और डॉक्यूमेंटेशन पर स्पष्ट मार्गदर्शन के जरिए इसके सशक्तिकरण के प्रयास और तेज करेगा ताकि निर्यातकों, खासकर एमएसएमई और पहली बार निर्यात करने वाले, एफटीए का प्रभावी तरीके से फायदा उठा सकें। हमारा मानना है कि यह समझौता डिमांड बढ़ाकर, ट्रेड की रुकावटों को कम करके और यूरोप में नए खरीदार नेटवर्क बनाकर, रोजगार पैदा करने और क्राफ्ट क्लस्टर में बेहतर आजीविका के लिए एक मजबूत मल्टीप्लायर साबित हो सकता है।”

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज के उत्पादन में लगे लाखों शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने के लिए एक नोडल संस्थान है। **ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत** ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) था। उन्होंने बताया कि 2024-25 के दौरान यूरोपीय संघ को हस्तशिल्प निर्यात 7309.72 करोड़ रुपये (864.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा, जिसमें रुपये के संदर्भ में 8.30% और डॉलर के संदर्भ में 6.02% की वृद्धि दर्ज की गई।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810423612



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH Welcomes the Landmark India-EU Free Trade Agreement

Agreement to Prosperous Exporters, Empower Artisans and Expand Horizons

New Delhi/NCR – 27th January'2026 – The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) welcomes the signing of the India–European Union Free Trade Agreement (India–EU FTA) at New Delhi, calling it a landmark step that strengthens India's trade architecture with one of the world's largest and most quality-conscious consumer markets. The agreement will boost market access for Indian exports across the EU's 27-member countries with a clear pathway for tariff reduction and a more facilitative trade environment. This historic milestone is poised to unlock new opportunities for India's handcrafted exports ranging from art metalware and woodcraft to textile-based handicrafts, fashion jewellery, lifestyle accessories and GI products across the EU market.

Welcoming the step, **Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH**, said, "We express our sincere gratitude to Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi for advancing India's global trade leadership and export competitiveness. The signing of the India–EU FTA is a defining milestone for India's export ecosystem and a major opportunity for the handicrafts sector. With tariff reduction to 0% once entry into force, Indian handmade products can strengthen their presence across EU markets."

Dr Khanna further shared "We have observed that over the years, European buyers are increasingly looking for authenticity, sustainability, design depth and strong storytelling that our India Handmade naturally offers. Our recent participation at international design platforms namely 'Maison&Objet, Paris, France' has shown encouraging optimism among visitors and buyers for Indian handcrafted home, lifestyle and décor products. With an improved trade framework, we believe this interest can translate into improved partnerships, higher value orders and a stronger global positioning of the 'Magic of Gifted Hands'."

"The European Union is a key export market for Indian handicrafts where exports to the EU during FY 2024-25 stood at USD 864.28 million (Rs 7309.72 crores), contributing over 20% of India's total handicrafts exports. The India–EU FTA once ratified and enforced, we are optimistic of achieving around 10% CAGR within the next five years, as tariff advantages and improved market facilitation begin to translate into higher volumes and deeper buyer engagement." Dr Khanna added further

Echoing the similar sentiments, **Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH and Chairman, IEML** shared that "the India–EU FTA comes at a crucial time when Indian exporters are deliberately building resilience through market diversification and deeper engagement with other high-value destinations. The signing of this agreement offers a structured and predictable pathway to expand India's share in Europe by improving competitiveness through tariff rationalisation while systematically eliminating non-tariff barriers which often incurs the most significant cost and complexity for MSMEs in terms of compliance time, documentation, testing and approvals."

Dr. Kumar further added that "we will intensify our trade facilitation measures such as warehousing, fulfilment and showroom facilities in EU to enable just-in-time delivery and last-mile logistics and will further support exporters by facilitating direct market access through Cash & Carry platforms, integrating technology with traditional craftsmanship to help Indian handmade products reach European buyers faster and more efficiently."

Shri Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH, said that “For us, EU is a high-value market where buyers look for consistent quality, reliable fulfilment and compliance readiness. The India–EU FTA is a big opportunity and we must convert it through stronger exporter preparedness in packaging, product presentation, delivery reliability and faster response cycles. Now with improved market access, we expect deeper engagement from European retail, sourcing agents, e-commerce and institutional buyers, creating more opportunities for Indian craft enterprises to scale responsibly.

“We are also looking ahead to our participation in EU’s largest trade fair ‘Ambiente in Frankfurt, Germany’ where over 500 Indian exporters across various product categories participate, amongst which more than 50 handicraft exporters will be present to showcase India’s Incredible Handicrafts. We are hopeful that the signing of this agreement will further boost confidence among Indian exporters and European buyers and will give an impetus push to this historic FTA” Shri Mehta added further.

Highlighting importance of FTA, **Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH**, shared that “At a time when tariff-related uncertainties are impacting our trade flows, this agreement opens an important opportunity for Indian Handicraft exporters to accelerate market diversification and deepen their presence in EU. We sincerely appreciate the Government of India’s sustained efforts in signing this significant agreement.”

Shri Rawat further added, “Now EPCH will intensify enablement for the handicrafts sector through focused capacity-building, design and product development support and clear guidance on standards and documentation, so that exporters especially MSMEs and first-time exporters can leverage the FTA effectively. We believe that this agreement can be a strong multiplier for employment generation and improved livelihoods across craft clusters by expanding demand, reducing trade frictions and unlocking new buyer networks in EU.”

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal institution for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US \$ 3,918 Million) and handicrafts exports to EU during 2024-25 was Rs 7309.72 crores (USD 864.28 Million) registering a growth of 8.30% in rupee term and 6.02 % in dollar term, further informed by Shri Rajesh Rawat, Executive Director-EPCH.

For more information please contact:

Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH
+91-9810423612

Encl: Hindi, English version